IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, December 2024

महर्षि पतंजलि के योग दर्शन एवं शैक्षिक विचारों का वर्तमान शिक्षा में प्रासंगिकता का अध्ययन

सुनील कुमार सोनी
शोधार्थी दर्शनशास्त्र विभाग
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

डॉ. श्रीकान्त मिश्र
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

सारांश

भारत भूमि अनेक सन्तों, मनीषियों एवं ऋषियों की कर्मस्थली एवं शरणस्थली रही है। जो समय एवं काल के अनुसार हमारे देश को समृद्ध बनाते रहे हैं। इसमें महर्षि पतन्जलि ने अपने योग एवं शैक्षिक विचारों के माध्यम से देश को एक नयी दिशा एवं गति प्रदान की है। जो आज एवं आने वाले समय के लिये धरोहर है। इनके सहज एवं मर्मस्पर्शी विचारों से न केवल भारतीय समाज वरन् सम्पूर्ण विश्व में सुधारात्मक जागरूकता के दर्शन होते हैं। महर्षि पतंजलि के दार्शनिक विचारों के प्रभाव से तत्कालीन विकृति पूर्ण समाज में ज्ञान रूपी प्रकाश से सम्पूर्ण विश्व पटल पर जगमगा रहा है। योग को एक स्वतंत्र दर्शन के रूप में प्रतिष्ठित करने का श्रेय महर्षि पतंजलि को ही जाता है। महर्षि पतंजलि के योग दर्शन एवं शैक्षिक विचारों से एक स्वस्थ एवं समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। मानव के सर्वा ंगीण विकास के लिये इनके योग दर्शन एवं शैक्षिक विचारों से देश में एक नई क्रान्ति का प्रस्फुटन हो रहा है।

मुख्य शब्द : महर्षि पतंजलि, योग दर्शन, एवं शैक्षिक विचार, प्रासंगिकता ।